योजनाओं के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार को सहायता प्रदान की है । प्रत्येक योजना के अन्तर्गत प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है–

(लाख रुपये में)

क्र०सं०	योजना	1992–93	1993–94	1994–95
1.	हिमित वीर्य प्रोद्योगिकी तथा जनन परीक्षण कार्यक्रम का विस्तार	44.23	14.00	—
2.	आहार एवं चारे के विकास के लिये राज्यों को सहायता	7.80	30.10	86.85
3.	राष्ट्रीय पशुक्लेश उन्मूलन परियोजना	51.93	52.50	46.50
4.	पशु रोग नियंत्रण के लिये राज्यों को सहायता	31.17	120.08	33.60
5.	व्यावसायिक क्षमता विकास	4.00	3.35	6.42
6.	बूचडखानों/पशुजन्य उपयोग केन्द्रों तथा प्राथमिक निस्त्वचन एककों के सुधार/स्थापना हेतु राज्यों को सहायता	—	81.013	179.748
7.	प्रमुख पशुधन उत्पादों के अनुमान के लिये एकीकृत नमूना सवेक्षण	13.50	17.02	24.09
8.	राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम	—	33.00	25.75
9.	राष्ट्रीय मेढ़ा/मुर्गा उत्पादन कार्यक्रम तथा खरगोश विकास कार्यक्रम	6.50	36.00	20.525
10.	भारवाही पशुओं का विकास	5.25	6.70	10.40
11.	एकीकृत सुअर विकास के लिये राज्यों को सहायता	7.50	4.50	15.00
12.	पशु पालन विस्तार कार्यक्रम	—	16.50	—

दुग्ध पाउडर और बटर आयल का मूल्य

6556. प्रो. राम बख्श सिंह वर्मा : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1990 से आयातित दुग्ध-पाउडर और बटर ऑयल का बाजार मूल्य कितना-कितना है ;

(ख) उन विभिन्न एजेंसियों के बीच आयातित दुग्ध-पाउडर और बटर आयल की कुल मात्रा का वितरण किस प्रकार किया जाता है जो वर्ष 1990 से ऐसे आयात का लाभ उठा रही हैं ; और

(ग) ऐसी एजेंसियों को लाभ दिये जाने के क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री अरविन्द नेताम) : (क) वर्ष 1990–95 में कोई आयात नहीं हुआ । 1991–92 से 1994–95 तक का ब्यौरा इस प्रकार है:–

वर्ष	वाणिज्यिक दुग्ध चूर्ण		आयात बटर आयल		विश्व खाद्य कार्यक्रम बटर आयल		यूरोपीय आर्थिक समुदाय खाद्य सहायता (दुग्ध चूर्ण)	
	मात्रा (मीं० टन)	मूल्य (लाख रु० में)	मात्रा (मीं० टन)	मूल्य (लाख रु० में)	मात्रा (मीं० टन)	मूल्य (लाख रु० में)	मात्रा (मीं० टन)	मूल्य (लाख रु० में)
1991-92	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	3004	1669	शून्य	--
1992-93	2602	1403	शून्य	शून्य	2144	1133	1194	4272
1993-94	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	--	3000	1076
1994-95	शून्य	शून्य	4305	3634	शून्य	--	शून्य	--

(ख) और (ग) आरक्षित फण्ड कार्यक्रम के अन्तर्गत यूरोपीय आर्थिक समुदाय से प्राप्त उपहार उपभोज्य वस्तुओं के विक्रय मूल्य का उपयोग परियोजना के क्रियान्वयन के लिये किया जाता है । बटर आयल का विक्रय मूल्य विश्व खाद्य कार्यक्रम को उनके कार्यक्रमों में क्रियान्वित करने के लिये हस्तांतरित कर दिया गया था। वाणिज्यिक आयातों के सकल मूल्य का उपयोग ऐसे आयातों के व्यय के लिये किया जाता है तथा इस प्रकार के खर्चों को पूरा करने के पश्चात अधिशेष का उपयोग राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिये किया जाता है ।

उत्तर प्रदेश में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किया जाना

6557. **प्रो. राम बक्श सिंह वर्मा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने के संबंध में अनुरोध प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इस अनुरोध पर कोई कार्यवाही की जा चुकी है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) जी, हां । चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर ने उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र के लिये प्रस्ताव भेजा है ।

(ग) और (घ) जी, हां । प्रशासनिक स्वीकृति मार्च 1993 में जारी की जा चुकी है ।

गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन और उनके वितरण में असंतुलन

6558. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन तथा वितरण में काफी असंतुलन है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौर क्या है ;